डॉ. दिनेश दासा

डॉ. दिनेश दासा, सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) गुजरात कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी से कृषि वानिकी में एम.एससी. हैं। उन्होंने अपनी पीएच.डी. गुजरात राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, गांधी नगर, गुजरात से वन विधि और सतत विकास में की है। वानिकी और सतत विकास की उनकी गहन समझ, ख्याति प्राप्त राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित उनके अनुसंधान लेखों के माध्यम से भी स्पष्ट होती है।

संघ लोक सेवा आयोग में कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व डॉ. दासा ने गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी), में दस महीने सदस्य के रूप में कार्य किया और उसके बाद गुजरात लोक सेवा आयोग (जीपीएससी), के अध्यक्ष के रूप में 1 फरवरी, 2016 से 31 जनवरी, 2022 तक उनका कार्यकाल अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। 41 वर्ष की आयु में आप भारत के किसी राज्य लोक सेवा आयोग के अब तक के सबसे कम उम्र के अध्यक्ष थे। अपनी अध्यक्षता के दौरान उन्होंने अग्रणी प्रशासनिक एवं तकनीकी सुधार किए जिनका आयोग की प्रचालन दक्षता पर सार्थक प्रभाव पड़ा।

गुजरात लोक सेवा आयोग से अपनी संबद्धता के दौरान, डॉ. दासा ने अखिल भारतीय लोक सेवा आयोगों की स्थायी समिति के सदस्य के रूप में भी कार्य किया और 2020-22 के दौरान समिति की अध्यक्षता की। अपने कार्यकाल के दौरान, उन्हें विभिन्न समितियों की अध्यक्षता करने का अवसर प्राप्त हुआ जिनमें राज्यों में प्रशासनिक सेवा परीक्षाओं के आयोजन में पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न में एकरूपता लाने वाली समिति भी शामिल थी। डॉ. दासा समिति द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट को सभी राज्य लोक सेवा आयोगों के अध्यक्षों के वर्ष 2018 में गोवा में आयोजित 20 वें राष्ट्रीय सम्मेलन में सैद्धांतिक स्वीकार्यता प्राप्त हुई। इसके कार्यान्वयन को संबंधित राज्यों पर छोड़ा गया।

डॉ. दासा ने अपना पेशेवर जीवन भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में एक अधिकारी के रूप में प्रारंभ किया। उनका कार्यकाल प्रशासनिक और शैक्षणिक क्षमताओं के संतुलन का उदाहरण है क्योंकि इसमें विभिन्न शैक्षणिक/अनुसंधान निकायों और संस्थाओं के सदस्य के रूप में की गई सेवाएं भी निहित हैं। वर्ष 2005-2012 के दौरान, उन्होंने वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (VNSGU), सूरत के एकादमिक काउन्सिल, बोर्ड ऑफ स्टडीज़ और सिंडिकेट सदस्य के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने गुजरात आयुर्वेद विश्वविद्यालय, जामनगर के प्रबंधन बोर्ड, कौशल्य-द स्किल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद की चयन एवं नियुक्ति समिति में राज्य सरकार के प्रतिनिधि के रूप में भी कार्य किया। वह भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की कार्यनीतिक कार्यान्वयन समिति के संयोजक और बाल विश्वविद्यालय योजना और विकास समिति, गांधीनगर के सदस्य भी थे।

डॉ. दासा, वर्ष 2011 से गुजरात लोक सेवा आयोग में वर्ष 2015 में उनकी नियुक्ति होने तक गुजरात पर्यटन के निदेशक थे।

गुजरात लोक सेवा आयोग में अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यकाल के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर, डॉ. दासा ने विभिन्न राज्य विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त करने के लिए खोज-समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य के रूप में भी कार्य किया।

इसके अतिरिक्त, डॉ. दासा को सुशासन हेतु राष्ट्रीय केंद्र (एनसीजीजी), मसूरी द्वारा आयोजित क्षमता संवर्धन कार्यक्रमों में “शासन को सशक्त बनाने के लिए नीति संबंधी हस्तक्षेप” पर नियमित वक्ता के रूप में आमंत्रित किया जाता है जहां वे विभिन्न देशों और भारतीय राज्यों से आए प्रशासनिक सेवकों के साथ अपने बहुमूल्य एवं विशद ज्ञान को साझा करते हैं।